ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
आचार्य मनिष र. जोशी
सचिव
Prof. Manish R. Joshi
Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

D.O.No.F.1-11/2022(BharatiyaBhashaDiwas) 6 दिसंबर, 2024/15 अग्रहायण, 1946

**आदरणीय महोदया /महोदय,**

यह निर्णय लिया गया है कि महान तमिल कवि, लेखक, पत्रकार और एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, श्री सुब्रमण्यम भारती, जिन्हें "महाकवि भारती" के नाम से जाना जाता है, की जयंती मनाने हेतु प्रत्येक वर्ष ।। दिसंबर का दिन भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। तदनुसार, शिक्षा मंत्रालय और एचईआई द्वारा हर वर्ष इस दिन समारोह आयोजित किए जाते हैं। इस दिन का महत्व यह है कि जनसाधारण के बीच मातृभाषा के प्रसार को बढ़ावा दिया जाए और दुनियाभर में भाषाई एवं सांस्कृतिक परंपराओं पर अधिकतम जागरूकता फैलाई जाए तथा बहु-भाषिक लोगों के बीच अखंडता का भाव जगाया जाए।
इस वर्ष "**भारतीय भाषा उत्सव**" दिनांक **11.12.2024** को भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया है ताकि मातृभाषा और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा और संरक्षण प्रदान किया जा सके। इस समारोह का स्वरूप निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ हर्षोल्लासमय होना चाहिए:

- हमारे देश की भाषाई विविधता और बहुभाषावाद पर प्रकाश डालना, और न केवल संबंधित मातृभाषा के प्रयोग को, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं के प्रयोग को भी प्रोत्साहित करना।
- संस्कृतियों की एक दूसरे से एकात्मकता को तथा साहित्य, शिल्प, प्रदर्शन कला, लिपियों के विभिन्न रूपों और रचनात्मक की अन्य विधाओं को जानना-समझाना
- डिजिटल स्थानों में भारतीय भाषा को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकियों और उपकरणों/टूल्स का विकास करना तथा भारतीय भाषाओं के माध्यम से नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करना।

एचईआई/ आईएनआई/ कॉलेजों से अनुरोध है कि वे छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा जनता की भागीदारी के साथ दिन भर का उत्सव आयोजित कर इस सुअवसर को उत्साहपूर्वक अद्वितीय बहुभाषी उत्सव के रूप में मनाएं। समारोह में जिन कार्यक्रमों को शामिल किया जा सकता है, उनकी एक सांकेतिक सूची इस प्रकार है - डिजिटल स्थानों में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना; भारतीय भाषाओं, बहुभाषी सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वक्तव्यों, गीत, खेल, मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से भिन्न भाषाओं का संवर्धन करना और फिल्म स्क्रीनिंग, सेमिनार, कार्यशालाएँ, वाद-विवाद, विभिन्न भाषाई क्षेत्रों से खान-पान व्यंजन केंद्र, प्रदर्शनियां, भाषा शिक्षण केंद्र, लेखकों के साथ बातचीत, नाटक, लोकसंगीत, आदि के माध्यम से नवाचार एवं अनुसंधान व शोध को प्रोत्साहित करना।
यह भी सलाह दी जाती है कि इन कार्यक्रमों के बारे में व्यापक जनजागृति फैलाई जाए ताकि देशभर के लोग इस महत्वपूर्ण दिन से स्वयं को जुड़ा हुआ समझें।
सभी एचईआई/आईएनआई/कॉलेजों से अनुरोध है कि वे अपने यहां आयोजित कार्यक्रमों का विवरण यूनिवर्सिटी एक्टिविटी मॉनिटरिंग पोर्टल (यूएएमपी) (https://uamp.ugc.ac.in ) पर ।। दिसंबर, 2024 को समारोह संपन्न होने के बाद अगले दिन अवश्य प्रस्तुत कर दें।

**सादर,**

**भवदीय,**

**(मनिष जोशी)**

को,

सभी उच्च शिक्षा संस्थान/ आईएनआई / कॉलेजों के कुलपति / निदेशक/प्राचार्य।